एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 06 (नवम्बर-दिसम्बर, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

खरीफ फसलों में लगने वाला सफ़ेद लट कीट

(*मेघा चतुर्वेदी)
आर.एन.टी. कृषि महाविद्यालय, कपासन, एमपीयूएटी, उदयपुर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: chaturvedimegha15@gmail.com

हिंदी नाम - गिडोला, कुरमुला, गुब्रेला

वैज्ञानिक नाम- होलोट्रिचिया कॉन्सैंगुइना ब्लैंच
एचसेरुता फैब्री .
एनोमला बेंगालेंसिस ब्लैंच

गण -कोलोप्टेरा

परिवार - स्क्रैबैइडे

पोषक पौधे

सफेद ग्रब लगभग सभी खरीफ फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, मक्का मूंगफली, तिल, सूरजमुखी, मिर्च, कपास, गन्ना, तंबाकू, बैंगन, ककड़ी और भिंडी आदि को खाते हैं।

वितरण

ये दुनिया भर में मिलता हैं इसका ज्यादा आक्रमण राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार, यूऔर उड़ीसा .पी. में देखने को मिलता है सफेद ग्रब ने भारत में विभिन्न प्रकार की बरसात के मौसम की फसलों के प्रमुख विनाशकारी कीट की स्थिति प्राप्त की है,

क्षति और प्रकृति नुकसान

सफेद ग्रब से होने वाले नुकसान का अनुमान 40-80 है। कई बार ग्रब से इतना नुकसान होता है कि फसल पूरी नष्ट हो जाता है जिससे खेत में फिर से बुवाई करनी पड़ती है पिछले कुछ सालों में सफेद ग्रब ने देश में इतनी गंभीर और खतरनाक स्थिति पैदा कर दी है कि इसे राष्ट्रीय कीट के रूप घोषित कर दिया| बारिश शुरू होते ही इस किट का प्रकोप शुरू हो जाता है

ये सभी प्रकार की पतियो झाड़ियों को खाते है लेकिन जियादा ये बेर ,बाबुल, नीम, जामुन, आम को खाना पसंद करते है राजस्थान में इस्का प्रकोप जयपुर ,लालसोट, उत्तर प्रदेश के उन्नव, कानपुर, रामपुर जिलो में इसका ज्यादा प्रकोप होता हे ये शाम 7:30 से 8:30 के बीच में बाहर निकलते है और पोधो की पट्टियों को खाना शुरू कर देते हैं शुभा 5 से 5:30 फिर मिट्टी में चले जाते है|

जीवन इतिहास

इस कीट का जीवन चक्र चार चरणों अर्थात अंडा, ग्रब, प्यूपा और वयस्क से होकर गुजरता है।

अंडा: ये माई के बाद होने बाली बारिश के बाद निकलते हैं उसे पहले होने बाली बारिश में ये नहीं निकले उसे पहले ये सहवाश करते और सहवाश के 2-3 दिन बाद ही मादा अंडा देना सुरू कर देता और मिट्टी में अंडा देते हैं

ग्रब: ग्रब सफेद होता है 10-12 मिमी लंबा तथा 2-3 मिमी चौड़ा होता है सर भूरे रंग का मजबूर होता हे ग्रब 100-110 दिन का होता हे

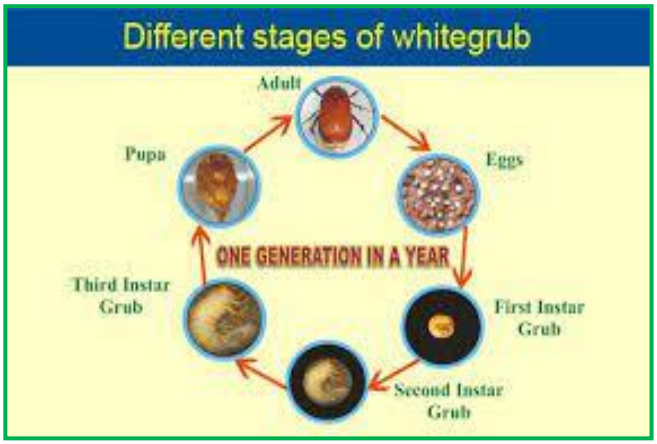

प्यूपा: पूरा विकास होने के बाद ये मिटटी में चला जाता है और प्यूपा बन जाता है सुरु में प्यूपा पीले रंग के होते हैं बाद में भूरे रंग के हो जाते हैं ये 10-27 दिनों में प्रौढ़ बन जाते हैं

प्रौढ़: प्यूपा पूर्ण होने पर ये प्रौढ़ बनते हैं जो की मध्य सुसप्त अवस्था में रहने के बाद 25 मिमी बारिश होने पर बहार निकलते हैं इसकी पूरा जीवन 129-150 में पूरी हो जाता हे 1 साल में 1 पीडी मिलती हे

क्षति के लक्षण

- ग्रब जड़ों को खाते हैं और फली को नुकसान पहुंचाते हैं।
- ग्रब बारीक जड़ों पर भोजन करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पौधे मुरझा जाते हैं, जो बाद में में मर जाते हैं।

नियंत्रण

1. जून जुलाई में प्रकाश से आकर्षित कर के मारा जा सकता हे
2. मई में पहली बारिश के बाद गहरी जुताई करने से अंडु और छोटी छोटी लटे मर जाती हे
3. आस पास के पेड़ पौधों पर निम्न दबाइओ का छिड़काव करना चाहिए

   कार्बोरिल 0.2%

   मोनोक्रोटोफास 0.05%

   क्लोरोपायरीफास 0.05%
4. लट को पकडे के लिए बुबाई से पहले निम्न दबाव को छिड़कना चाहिए

   फोरेट ग्राम। 10@ हेक्टेयर।/किग्रा 10

   क्विनालफोस जी। 5@ हेक्टेयर।/किग्रा 20

   कार्बोफ्यूरन जी। 3@हेक्टेयर।/किग्रा 33

   ऑक्टानल जी। 10@ हेक्टेयर।/किग्रा 15
5. फसल की बुबाई 10-20 जून के बीच में करनी चाहिए